ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८७
दिनांक- मंगलवार, २२ नवम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.0 एवं 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 48 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 16.5 एवं दोपहर में 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(23–27 नवम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 23–27 नवम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 5–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान की कटाई कर राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो 20 से 25 दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दूरी 12–15 से0मी0 रखें। आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।
- अक्टुबर माह में बोयी गयी लहसुन की फसल से खर–पतवार की निकासी कर हल्की सिंचाई कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से करें। फसल में कीट की निगरानी करें।
- गेहूँ की बुआई के लिए तापमान तथा अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल है। किसान भाई प्राथमिकता देकर गेहूँ की बुआई करें। खेत की तैयारी के समय 150–200 क्विटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बुआई हेतु एच० डी० –2967, एच० डी० –2733, एच० डी० –2824, डी० डब्लू० 187, डी० डब्लू० 39, एच० यु० डब्लू० 468, सी० बी० डब्लू० 38 किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुषंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन 2.5 ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवष्य उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 125 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा एवं सब्जियों वाली फसलें– बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। मटर, बैगन, टमाटर एवं मिर्च की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें।
- रबी मक्का की बुआई इस माह के अन्त तक समाप्त करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुषंसित है। खेत की जुताई में 100–150 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर 20 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 60X20 से0मी0 रखें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3 इस क्षेत्र के लिए अनुषंसित किस्में है। बीज दर 20–25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दूरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दूरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर 2 से 3 स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिषत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिशत घोल में 10 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की तैयारी के समय 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुषंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर 75 से 80 किलोग्रम एवं बड़े दानों के लिए 100 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान पान पर विशेष घ्यान दें। पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 28.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 12.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)